उत्तराखण्ड विद्यालयी शिक्षा परिषद्, रामनगर (नैनीताल)	इण्टरमीडिएट परीक्षा 'अ' (उत्तराखण्ड) 12 पन्ने

प्रश्नोत्तर 1

1 (क) ÷ वाणिज

1 (ख) ÷ व्यापार

1 (ग) ÷ जिनेवा

1 (घ) ÷ 12 करोड़

1 (ङ) ÷ अंबाला

1 (च) ÷ गन्ना

1 (छ) ÷ तारापुर

1 (ज) ÷ विशाखापटनम

1 (झ) ÷ A तथा R दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या करता है

1 (अ) ÷ A तथा R दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या करता है

प्रश्नोत्तर 2 ÷ ग्रिफिथ टेलर

प्रश्नोत्तर 3 ÷ मुंबई

प्रश्नोत्तर 4 ÷ 15 - 29 वर्ष

प्रश्नोत्तर 5 ÷ 1853

प्रश्नोत्तर 6 ÷

मानव भूगोल ÷ मानव भूगोल एक व्यापक शब्द है जो पृथ्वी पर मानव तथा पर्यावरण के अंतर्सम्बन्धों की बात करता मानव भूगोल एक सेतु के रूप में अन्य सामाजिक विज्ञानों से संबंध रखता है

मानव भूगोल का संबंध
→ राजनीतिक भूगोल, विज्ञान → समाजशास्त्र
→ आर्थिक भूगोल → इतिहास

प्रश्नोत्तर 7 :-

जनसंख्या घनत्व :- जनसंख्या घनत्व का आशय प्रति वर्ग किलोमीटर में रहने वाली जनसंख्या तथा क्षेत्रफल

उदाहरण जनसंख्या घनत्व = $\frac{\text{जनसंख्या}}{\text{क्षेत्रफल}}$ $\frac{1,000}{100}$ = 100

प्रश्नोत्तर 8 :-

मानव विकास :- मानव विकास का अर्थ होता है मनुष्यों के विकल्पों में वृद्धि जिससे वह अपना विकास कर सकता है

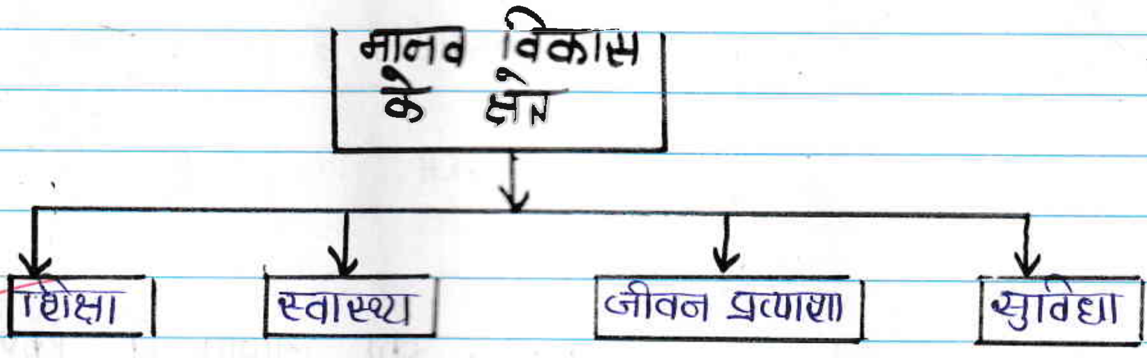

प्रश्नोत्तर 9

मरुस्थलीय प्रदेश :- मरुस्थलीय प्रदेश वे प्रदेश होते है जहाँ पानी का हमेशा अभाव बना रहता है तथा सूखा रहता है मरुस्थलीय प्रदेशों में गांवो की अवस्थिति के मुख्य कारक निम्न है

1 पानी की कमी
2 चारागाहों की कमी
3 फसलों की कमी
4 पेड़ पौधो की कमी

प्रश्नोत्तर 11

विश्व में जनसंख्या वितरण असमान :— जनसंख्या वितरण का अर्थ होता है भूपृष्ठ पर जनसंख्या कैसे और किस तरह अलग - अलग जगहों पर वितरित होती है आज हम पूरे विश्व में देख रहे हैं कि जनसंख्या का वितरण असमान रूप से है।

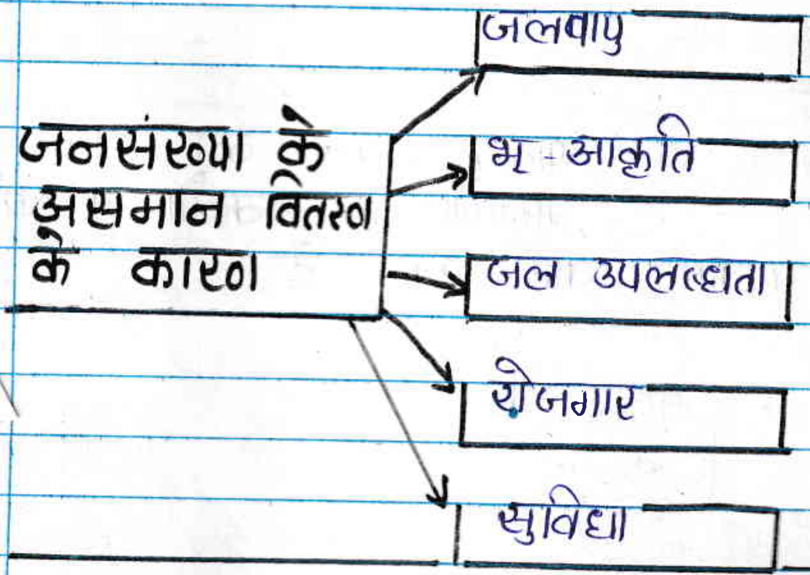

प्रश्नोत्तर 12

स्वामित्व :— स्वामित्व का आशय है किसी भी वस्तु पर अधिकार यह अधिकार योग्यता के आधार पर होता है

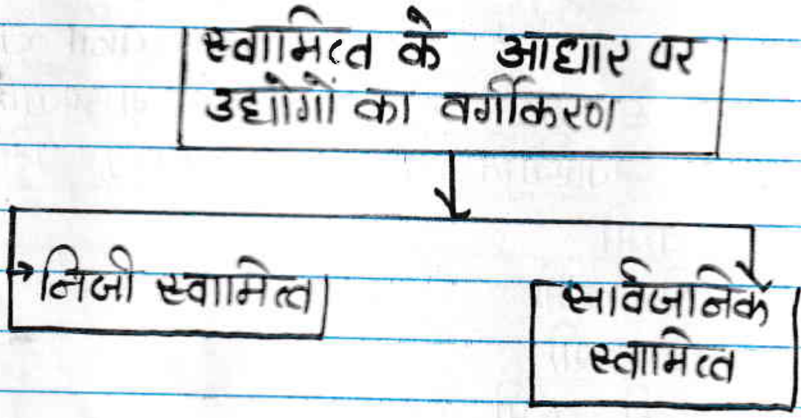

1 **निजी स्वामित्व** :- निजी स्वामित्व के अन्तर्गत उद्योगों पर नियन्त्रण किसी निजी संस्था के हाथ मे होता है इसमे सरकार का हस्तक्षेप नहीं होता।

2 **सार्वजनिक स्वामित्व** :- सार्वजनिक स्वामित्व के अन्तर्गत उद्योगों पर नियन्त्रण समाज तथा सरकार का होता है। इसमें सरकारी हस्तक्षेप होता है

प्रश्नोत्तर 13 :-

पनामा नहर :- पनामा नहर एक नौ परिवहन जलमार्ग है यह किसी प्राकृतिक नदी में नहीं बनाया गया बल्कि यह नहर मनुष्यों द्वारा बनाया गया पनामा नहर अटलांटिक सागर तथा प्रशांत महासागर को जोड़ने के लिए बनाया गया जिससे इन क्षेत्रों की दूरी कम हो गई तथा इस नहर के द्वारा व्यापार में भी काफी मदद मिली है। जिससे व्यापार सुलभ हो गया है।

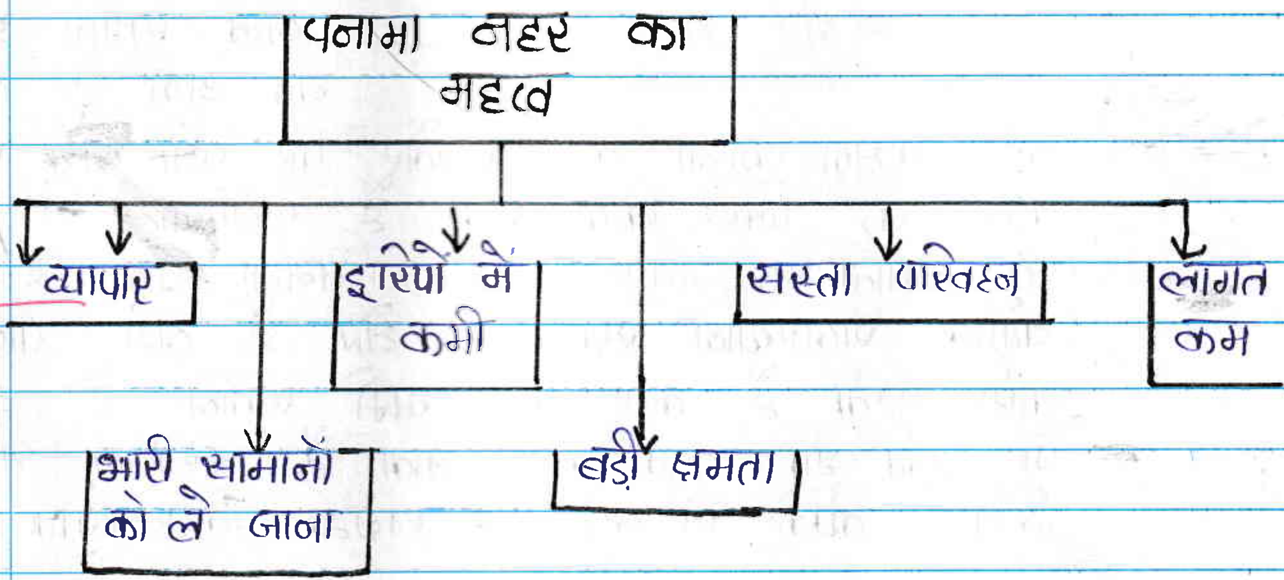

प्रश्नोत्तर 14 :-

कृषि सेक्टर :- कृषि सेक्टर से आशय है कृषि सम्बन्धित क्षेत्र यह प्राथमिक क्रिया के अन्तर्गत आता है कृषि फसलों को बोना तथा पशु पालन का मिलाजुला रुप है भारत में कृषि लगभग 68% तक की जाती है भारत एक कृषिप्रधान देश है तथा भारत में कृषि अधिक मात्रा में की जाती है। कृषि सेक्टर में भारतीय श्रमिकों का अधिकांश अंश संलग्न है जिसके कारण निम्न है। –

1 रोजगार → कृषि सेक्टर में कार्य करने से लोगों को रोजगार की प्राप्ति होती है तथा उत्पादित खाद्यान्न का स्वउपयोग भी किया जा सकता है।

2 व्यापार → आज विश्व भर में खाद्यान्नों की अधिक माँग है इसलिए देशों में खाद्यान्नों को व्यापार के लिए भी किया जाता है

प्रश्नोत्तर 15

जल संभर प्रबन्धन :- जल संभर प्रबन्धन का अर्थ है जल का संरक्षण करना यह खासतौर पर वर्षा जल संग्रहण करने के लिए किया जाता है राजस्थान में वर्षाजल को बचाने के लिए (टांका) बनाया जाता है क्योंकि राजस्थान एक ऐसा क्षेत्र है जहाँ पानी की कमी रहती है तथा यहाँ गर्म स्थान है वर्षा में पानी भी बहुत कम आता है इसलिए यहाँ विभिन्न तरीकों से वर्षा जल संग्रहण किया जाता है।

जल संभर प्रबंधन के लिए
चलाए गए दो कार्यक्रम

नीरु - मीरु
(आंध्रप्रदेश)

अरवोरी पानी संसद
(राजस्थान)

1 **नीरु - मीरु** → नीरु - मीरु जल संभर प्रबंधन के लिए चलाए गए कार्यक्रम का एक उदाहरण है इसे आंध्रप्रदेश में अपनाया गया क्योंकि यहा पानी की कमी होती है

2 **अरवारी पानी संसद** → अरवारी पानी संसद जल संभर प्रबंधन के लिए चलाए गए कार्यक्रम का दूसरा उदाहरण है यह राजस्थान में चलाया गया क्योंकि यहां भी पानी की कमी थी।

प्रश्नोत्तर 16 :—

भारत के विदेशी व्यापार :— भारत के विदेशी व्यापार से आशय है कि भारत के अन्य देशों के साथ संबन्ध और व्यापार किसी भी देश का विदेशी व्यापार उस देश की स्वतन्त्रता को बताता है क्योंकि एक स्वतन्त्र देश वही है जो अपने निर्णय स्वयं लेता है अगर कोई देश विदेशी व्यापार के निर्णय दूसरे के दबाव में ले रहा हो तो वह स्वतन्त्र नहीं है भारत की विदेशी नीति की विशेषताए निम्न है

1 सबसे अच्छे सम्बन्ध
2 आर्थिक सहयोग
3 गुटनिरपेक्षता
4 आपसी संबंध
5 अंतर्राष्ट्रीय व्यापार
6 सबके हित देखना

प्रश्नोत्तर 17

ध्वनि प्रदूषण से आशय :- ध्वनि प्रदूषण का आशय है जो ध्वनि मानव की सहनीय क्षमता से अधिक होती है ध्वनि प्रदूषण कहलाता है ध्वनि प्रदूषण बहुत ही हानिकारक प्रदूषण होता है जो बीमारियों का प्रमुख स्रोत होता है।

ध्वनि प्रदूषण के प्रमुख कारण

- → कारखानों से आने वाली आवाज
- → उद्योगों का शोर
- → लाउडस्पीकर
- → फोन की बड़ी आवाज
- → अन्य कर्कश ध्वनियाँ

प्रश्नोत्तर 10

सीमा सड़क संगठन की स्थापना → सीमा सड़क संगठन की स्थापना 1960 में की गई।

क्यों की गई → सीमा क्षेत्रों की सुरक्षा के लिए

प्रश्नोत्तर 18

पशुचारण :- आरंभिक युग में मनुष्य आखेट कर अपने जीवन का निर्वाह करता था लेकिन मानव सभ्यता के विकास के साथ - साथ मनुष्यों ने अपने क्रियाकलापों में भी बदलाव किए जब मनुष्य ने यह सोचा की केवल आखेट कर जीवन का निर्वाह नहीं किया जा सकता तो मनुष्य ने पशुचारण को अपनाया पशु चारण का आशय है पशुओ को चराना

वाणिज्य पशुधन पालन भिन्न है चलवासी पशुचारण से

	चलवासी पशुचारण	वाणिज्य पशुधन पालन
1	चलवासी पशुचारण में ऋतुप्रवास होता है।	वाणिज्य पशुधन पालन में ऋतु प्रवास नहीं होता।
2	यह एक ऐसा माध्यम है जिससे व्यापार नहीं किया जाता	वाणिज्य पशुधन पालन के अन्तर्गत व्यापार किया जाता है।
3	यह पूंजीप्रधान नहीं है।	यह पूंजीप्रधान है।
4	इसमे पशुओं को चराया जाता है।	इसके अन्तर्गत पशुओ का तथा उनसे प्राप्त वस्तुओं का व्यापार किया जाता है जैसे - घी, दूध पशुओं की खाल इत्यादि।
5	यह पाश्चिमी संस्कृति से प्रभावित नहीं है।	यह पाश्चिमी संस्कृति से प्रभावित है।

1 **चलवासी पशुचारण** :- चलवासी पशुचारण का आशय है ऐसा पशुचारण जो स्थानों को बदलता हो चलवासी पशुचारण के अन्तर्गत लोग अपनी तथा पशुओं की सुविधा के अनुसार एक स्थान से दूसरे स्थानों पर जाते है इसे ही ऋतुप्रवास कहा जाता है यह लोग गर्मियों में मैदानों से पहाड़ो की ओर तथा सर्दियों में पहाड़ो से मैदानो की ओर चलते रहते है यह जिस भी जगह पर जाते है पहले यह जांच लेते हैं कि यह जगह उनके लिए सुविधाजनक है या नहीं इसे ही चलवासी पशुचारण कहा जाता है।

2 **वाणिज्य पशुधन पालन** :- वाणिज्य पशुधन पालन का आशय है व्यापार तथा धन और लाभ कमाने के लिए व्यापार करना इसके अन्तर्गत पशुओं का व्यापार किया जाता है जो एक देश से दूसरे देश तथा देश के ही अन्दर हो सकता है। इसके अन्तर्गत ऐसे पशुओं को पाला जाता है जिससे ज्यादा लाभ हो जैसे - भेड़ से ऊन, गाय से दूध, मुर्गियों से अण्डे इत्यादि इन सब वस्तुओं का व्यापार करने से अधिक लाभ होता है क्योंकि वर्तमान समय में इन सबकी अधिक मांग होती है।

प्रश्नोत्तर 19

अंतर्राष्ट्रीय व्यापार से आशय :- अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार से आशय ऐसे व्यापार से होता है जो सभी देशों की सीमा रेखाओं से बाहर होता है यह व्यापार दो या दो से अधिक देशों के बीच होता है व्यापार इसलिए किया जाता है क्योंकि कोई भी देश आत्मनिर्भर नहीं होता किसी - न - किसी वस्तु की कमी देश में होती ही है इसलिए अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार करना आवश्यक होता है।

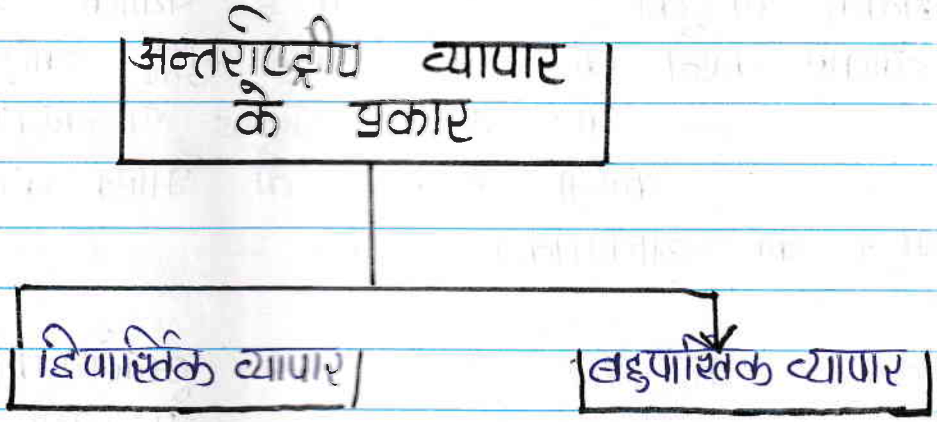

1 **द्विपार्श्विक व्यापार** :- दो देशों के बीच होने वाला व्यापार द्विपार्श्विक व्यापार कहलाता है इस प्रक्रिया के अन्तर्गत दो देशों की आवश्यकता होती है जो आपस में एक-दूसरे से व्यापार करें।

2 **बहुपार्श्विक व्यापार** :- बहुपार्श्विक व्यापार का आशय है ऐसा व्यापार जो दो या दो से अधिक देशों के बीच होता है बहुपार्श्विक व्यापार कहलाता है इसके अन्तर्गत कई देश होते है।

अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार से लाभ

- विदेशी मुद्रा की प्राप्ती
- कम कीमत वस्तुओं का
- आवश्यक वस्तुओं की प्राप्ति
- रोजगार में वृद्धि

1 **विदेशी मुद्रा की प्राप्ति** :- अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार करने से हमें विदेशी मुद्रा की प्राप्ति होती है विदेशी मुद्रा प्रत्येक देश को चाहिए होती है क्योंकि अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार करने के लिए विदेशी मुद्रा चाहिए

उदाहरण :- यदि भारत इंग्लैण्ड से वस्तुओं का आयात करना चाहता है तो भारत को इंग्लैण्ड की मुद्रा की आवश्यकता होगी।

2 **वस्तुओं का कम कीमत** :- अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में सभी देशों की कंपनियां परस्पर प्रतिस्पर्धा में होते है प्रतिस्पर्धा होने से वस्तुओं की कीमत कम हो जाती है जिससे लोगों को लाभ प्राप्त होता है

उदाहरण :- यदि भारत और चीन अपने देशों से चीनी बेचना चाहते है तो उन्हें चीनी की कीमत कम करनी होगी जिस देश में चीनी की कीमत कम होगी उस देश की चीनी की मांग अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार में अधिक होगी।

3 **आवश्यक वस्तुओं की प्राप्ति** :- कोई भी देश आत्मनिर्भर नहीं है प्रत्येक देश के पास कुछ-न-कुछ कमियाँ है इसलिए अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार किया जाता है जैसे भारत में पेट्रोल की कमी है तो वह विदेशों से मंगाता है।

4 **रोजगार में वृद्धि** :- अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर व्यापार करने के लिए हमें समुद्रों में बंदरगाहों की आवश्यकता पड़ती है जिसमें कई लोगों को रोजगार प्राप्त होता है जैसे सामान उतारने तथा लादने के लिए।

प्रश्नोत्तर 20

20 (क) :- 'सतत पोषणीय विकास'

20 (ख) :- सतत पोषणीय विकास की धारणा पर रिपोर्ट 1987 में प्रस्तुत की गई

रिपोर्ट का नाम — रिपोर्ट का नाम 'अवर कॉमन फ्यूचर' था।

20 (ग) :- "सतत पोषणीय विकास एक ऐसा विकास है जिसमें भविष्य में आने वाली पीढ़ियों की आवश्यकता पूर्ति को प्रभावित किए बिना वर्तमान पीढ़ी द्वारा अपनी आवश्यकता की पूर्ति करना"

प्रश्नोत्तर - 21.
अनुक्रमांक

P.T.O

2026

411 (IRG)

रोल नं.
Roll No.

प्रश्न संख्या 21 (ख) के लिए
[For Q. No. 21 (b)]

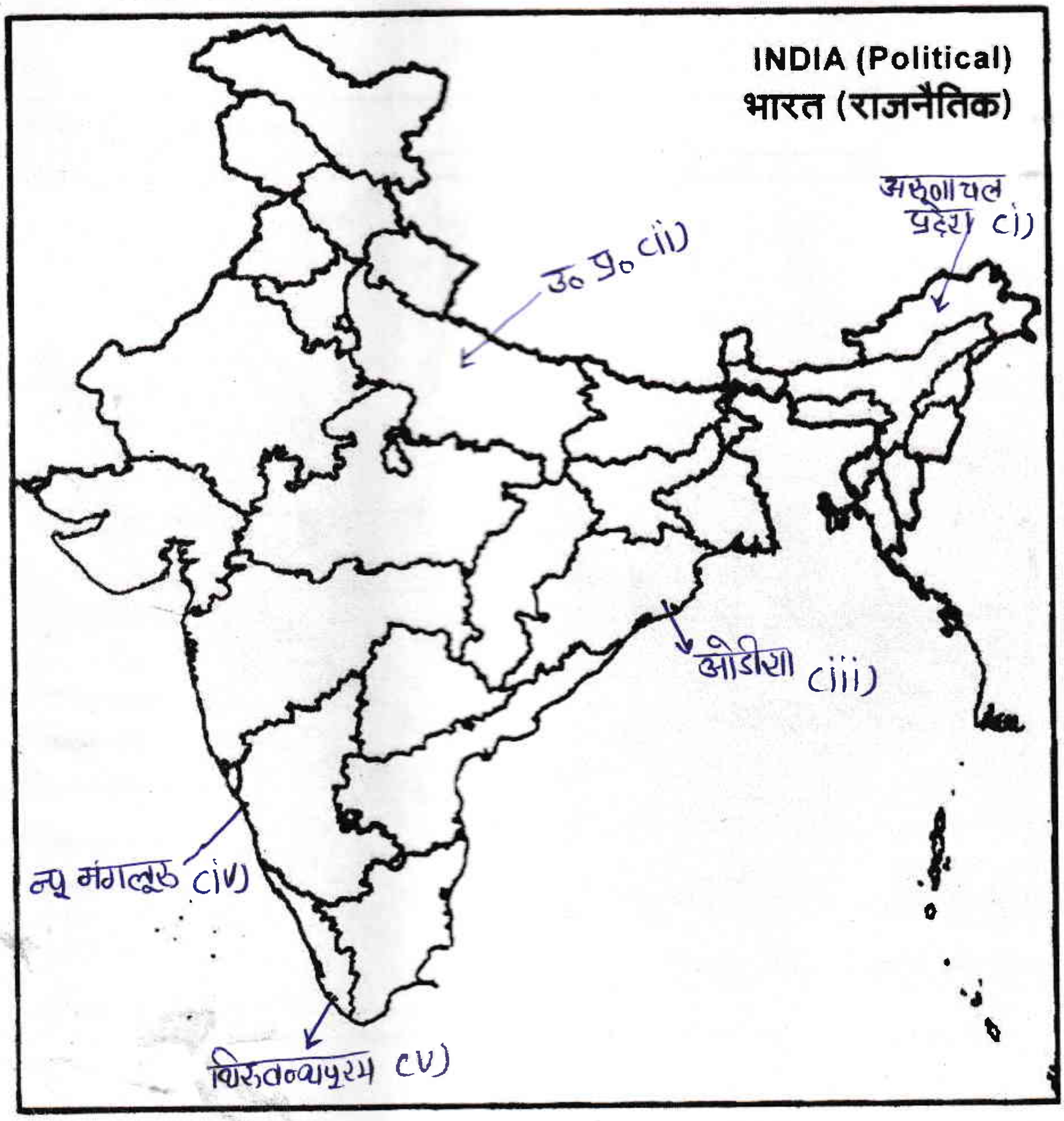

केवल परीक्षकों के लिए (For Examiners Only)	प्रश्न संख्या 21 (ख) Q. No. 21 (b)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)	(v)	योग (Total)
	प्रदत्त अंक (Marks Provided)						

2026

रोल नं.
Roll No.

411 (IRG)

प्रश्न संख्या 21 (क) के लिए
For Q. No. 21(a)

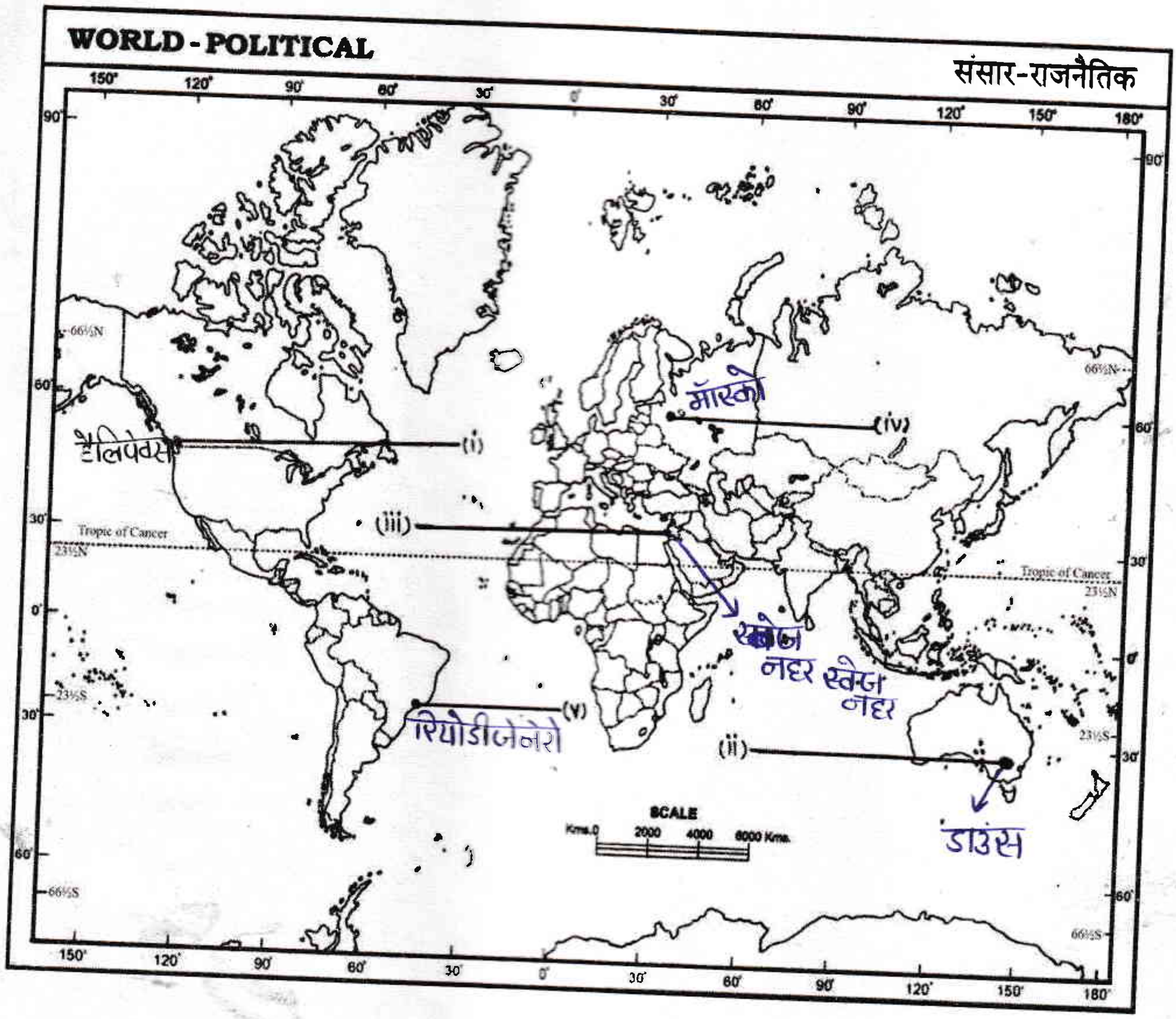

केवल परीक्षकों के लिए (For Examiners Only)	प्रश्न संख्या 21 (क) Q. No. 21 (a)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)	(v)	योग (Total)
	प्रदत्त अंक (Marks Provided)						